

॥ ३८ ॥ ३९ ॥ ४० ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ उभयत्रविधेत्येषः ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ पांचाल्योनाम्ना
 सशूरःसत्यवाक्प्राज्ञोबलवान्सत्यविक्रमः ॥ महानुभावःकल्पांतरौद्रांभीरुविभीषणां ॥ ३८ ॥ कवचोर्मिध्वजावर्त्तामर्त्यकूलापहारिणीं ॥ गजवाजिमहाग्राहा
 मसिमीनांदुरासदां ॥ ३९ ॥ वीरास्थिशर्करांरौद्रांभेरीमुरजकच्छपां ॥ चर्मवर्मप्लवांघोरांकेशशैवलशाद्वलां ॥ ४० ॥ शरौघिणींधनुःस्रोतांबाहुपन्नगसंकु
 लां ॥ रणभूमिवहांतीव्रांकुरुसृजयवाहिनीं ॥ ४१ ॥ मनुष्यशीर्षपाषाणांशक्तिमीनांगदोदुपां ॥ उष्णीषफेनवसनांविकीर्णांसरीसृपां ॥ ४२ ॥ वीरापहारिणी
 मुग्रांमांसशोणितकर्दमां ॥ हस्तिग्राहांकेतुदक्षांक्षत्रियाणांनिमज्जनीं ॥ ४३ ॥ क्रूरांशरीरसंघट्टांसादिनक्रांदुरत्ययां ॥ द्रोणःप्रावर्त्तयत्तत्रनदीमंतकगामिनीं
 ॥ ४४ ॥ क्रव्यादगणसंजुष्टांश्चशृगालगणायुतां ॥ निषेवितांमहारौद्रैःपिशिताशैःसमंततः ॥ ४५ ॥ तंदहतमनीकानिरथोदारंरुतांतवत् ॥ सर्वतोभ्यद्रवद्रोणंकुं
 तीपुत्रपुरोगमाः ॥ ४६ ॥ तेद्रोणंसहिताःशूराःसर्वतःप्रत्यवारयन् ॥ गभस्तिभिरिवादित्यंतपंतंभुवनंयथा ॥ ४७ ॥ तंतुशूरंमहेष्वासंतावकाभ्युद्यतायुधाः ॥ राजा
 नोराजपुत्राश्चसमंतात्पर्यवारयन् ॥ ४८ ॥ शिखंडीतुततोद्रोणंपंचभिर्नतपर्वभिः ॥ क्षत्रवर्माचविंशत्यावसुदानश्चपंचभिः ॥ ४९ ॥ उत्तमौजास्त्रिभिर्बाणैःक्ष
 त्रदेवश्चसप्तभिः ॥ सात्यकिश्चशतेनाजौयुधामन्युस्तथाष्टभिः ॥ ५० ॥ युधिष्ठिरोद्वादशभिर्द्रोणंविज्याधसायकैः ॥ धृष्टद्युम्नश्चदशभिश्चेकितानस्त्रिभिःशरैः ॥
 ॥ ५१ ॥ ॥ ततोद्रोणःसत्यसंधःप्रभिन्नइवकुंजरः ॥ अभ्यतीत्यरथानीकंदृष्टसेनमपातयत् ॥ ५२ ॥ ततोराजानमासाद्यप्रहरंतमभीतवत् ॥ अविध्यन्नवभिःक्षे
 मंसहतःप्रापतद्रथात् ॥ ५३ ॥ समध्यंप्राप्यसैन्यानांसर्वाःप्रविचरन्दिशः ॥ त्राताल्यभवदन्येषांनत्रातव्यःकथंचन ॥ ५४ ॥ शिखंडिनंद्वादशभिर्विंशत्याचोत्त
 मौजसं ॥ वसुदानंचभल्लेनप्रैषयद्यमसादनं ॥ ५५ ॥ अशीत्याक्षत्रवर्माणंपड्मिंशत्यासुदक्षिणं ॥ क्षत्रदेवंतुभल्लेनरथनीडादपातयत् ॥ ५६ ॥ युधामन्युंचतुः
 षष्ट्यात्रिंशताचैवसात्यकिं ॥ विध्वारुक्मरथस्तूर्णयुधिष्ठिरमुपाद्रवत् ॥ ५७ ॥ ततोयुधिष्ठिरःक्षिप्रंगुरुतोराजसत्तमः ॥ अपायाज्जवनैरश्वैःपांचाल्योद्रोणमभ्य
 यात् ॥ ५८ ॥ तंद्रोणःसधनुष्कंतुसाश्वयंतारमाक्षिणोत् ॥ सहतःप्रापतद्रूमौरथाज्ज्योतिरिवांबरात् ॥ ५९ ॥ तस्मिन्हतेराजपुत्रेपंचालानांयशस्करे ॥ हतद्रोणं
 हतद्रोणमित्यासीन्निःस्वनोमहान् ॥ ६० ॥ तांस्तथाभृशसंरब्धान्यंचालान्मत्स्यकेकथान् ॥ सृजयान्याडवांश्चैवद्रोणोव्यक्षोभयद्वली ॥ ६१ ॥ सात्यकिंचेकितानं
 चधृष्टद्युम्नशिखंडिनौ ॥ वार्धक्षेमिंचैत्रसेनिंसेनाविंदुंसुवर्चसं ॥ ६२ ॥

॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥

एतांश्चाप्याभ्युपहृन्नाजानपदेश्वरान् ॥ सर्वांश्चोणो जयपुत्रैरुत्तमैःपरिवारितः ॥ ६३ ॥ तावकाभ्युपहृन्नाजानपदेश्वरान् ॥ सर्वांश्चोणो जयपुत्रैरुत्तमैःपरिवारितः ॥ ६४ ॥ इति श्रीमहाभारतेद्रोणपर्वणि संशयनक
 माणान्समंततः ॥ ६४ ॥ तेदानवाइवरेणवध्यमानामहात्मना ॥ पंचालाःकेकयामत्स्याःसमकंपतभारत ॥ ६५ ॥ धृतराष्ट्र उवाच ॥ भारद्वाजेनभमेपुपाडवेपुमहामुधे ॥ पंचालेषुचसर्वेषु
 वधपर्वणिद्रोणयुद्धेएकविंशोऽध्यायः ॥ २१ ॥ ॥ ५३ ॥ ॥ ५४ ॥ ॥ ५५ ॥ ॥ ५६ ॥ ॥ ५७ ॥ ॥ ५८ ॥ ॥ ५९ ॥ ॥ ६० ॥ ॥ ६१ ॥ ॥ ६२ ॥ ॥ ६३ ॥ ॥ ६४ ॥ ॥ ६५ ॥ ॥ ६६ ॥ ॥ ६७ ॥ ॥ ६८ ॥ ॥ ६९ ॥ ॥ ७० ॥ ॥ ७१ ॥ ॥ ७२ ॥ ॥ ७३ ॥ ॥ ७४ ॥ ॥ ७५ ॥ ॥ ७६ ॥ ॥ ७७ ॥ ॥ ७८ ॥ ॥ ७९ ॥ ॥ ८० ॥ ॥ ८१ ॥ ॥ ८२ ॥ ॥ ८३ ॥ ॥ ८४ ॥ ॥ ८५ ॥ ॥ ८६ ॥ ॥ ८७ ॥ ॥ ८८ ॥ ॥ ८९ ॥ ॥ ९० ॥ ॥ ९१ ॥ ॥ ९२ ॥ ॥ ९३ ॥ ॥ ९४ ॥ ॥ ९५ ॥ ॥ ९६ ॥ ॥ ९७ ॥ ॥ ९८ ॥ ॥ ९९ ॥ ॥ १०० ॥ ॥ १०१ ॥ ॥ १०२ ॥ ॥ १०३ ॥ ॥ १०४ ॥ ॥ १०५ ॥ ॥ १०६ ॥ ॥ १०७ ॥ ॥ १०८ ॥ ॥ १०९ ॥ ॥ ११० ॥ ॥ १११ ॥ ॥ ११२ ॥ ॥ ११३ ॥ ॥ ११४ ॥ ॥ ११५ ॥ ॥ ११६ ॥ ॥ ११७ ॥ ॥ ११८ ॥ ॥ ११९ ॥ ॥ १२० ॥ ॥ १२१ ॥ ॥ १२२ ॥ ॥ १२३ ॥ ॥ १२४ ॥ ॥ १२५ ॥ ॥ १२६ ॥ ॥ १२७ ॥ ॥ १२८ ॥ ॥ १२९ ॥ ॥ १३० ॥ ॥ १३१ ॥ ॥ १३२ ॥ ॥ १३३ ॥ ॥ १३४ ॥ ॥ १३५ ॥ ॥ १३६ ॥ ॥ १३७ ॥ ॥ १३८ ॥ ॥ १३९ ॥ ॥ १४० ॥ ॥ १४१ ॥ ॥ १४२ ॥ ॥ १४३ ॥ ॥ १४४ ॥ ॥ १४५ ॥ ॥ १४६ ॥ ॥ १४७ ॥ ॥ १४८ ॥ ॥ १४९ ॥ ॥ १५० ॥ ॥ १५१ ॥ ॥ १५२ ॥ ॥ १५३ ॥ ॥ १५४ ॥ ॥ १५५ ॥ ॥ १५६ ॥ ॥ १५७ ॥ ॥ १५८ ॥ ॥ १५९ ॥ ॥ १६० ॥ ॥ १६१ ॥ ॥ १६२ ॥ ॥ १६३ ॥ ॥ १६४ ॥ ॥ १६५ ॥ ॥ १६६ ॥ ॥ १६७ ॥ ॥ १६८ ॥ ॥ १६९ ॥ ॥ १७० ॥ ॥ १७१ ॥ ॥ १७२ ॥ ॥ १७३ ॥ ॥ १७४ ॥ ॥ १७५ ॥ ॥ १७६ ॥ ॥ १७७ ॥ ॥ १७८ ॥ ॥ १७९ ॥ ॥ १८० ॥ ॥ १८१ ॥ ॥ १८२ ॥ ॥ १८३ ॥ ॥ १८४ ॥ ॥ १८५ ॥ ॥ १८६ ॥ ॥ १८७ ॥ ॥ १८८ ॥ ॥ १८९ ॥ ॥ १९० ॥ ॥ १९१ ॥ ॥ १९२ ॥ ॥ १९३ ॥ ॥ १९४ ॥ ॥ १९५ ॥ ॥ १९६ ॥ ॥ १९७ ॥ ॥ १९८ ॥ ॥ १९९ ॥ ॥ २०० ॥ ॥ २०१ ॥ ॥ २०२ ॥ ॥ २०३ ॥ ॥ २०४ ॥ ॥ २०५ ॥ ॥ २०६ ॥ ॥ २०७ ॥ ॥ २०८ ॥ ॥ २०९ ॥ ॥ २१० ॥ ॥ २११ ॥ ॥ २१२ ॥ ॥ २१३ ॥ ॥ २१४ ॥ ॥ २१५ ॥ ॥ २१६ ॥ ॥ २१७ ॥ ॥ २१८ ॥ ॥ २१९ ॥ ॥ २२० ॥ ॥ २२१ ॥ ॥ २२२ ॥ ॥ २२३ ॥ ॥ २२४ ॥ ॥ २२५ ॥ ॥ २२६ ॥ ॥ २२७ ॥ ॥ २२८ ॥ ॥ २२९ ॥ ॥ २३० ॥ ॥ २३१ ॥ ॥ २३२ ॥ ॥ २३३ ॥ ॥ २३४ ॥ ॥ २३५ ॥ ॥ २३६ ॥ ॥ २३७ ॥ ॥ २३८ ॥ ॥ २३९ ॥ ॥ २४० ॥ ॥ २४१ ॥ ॥ २४२ ॥ ॥ २४३ ॥ ॥ २४४ ॥ ॥ २४५ ॥ ॥ २४६ ॥ ॥ २४७ ॥ ॥ २४८ ॥ ॥ २४९ ॥ ॥ २५० ॥ ॥ २५१ ॥ ॥ २५२ ॥ ॥ २५३ ॥ ॥ २५४ ॥ ॥ २५५ ॥ ॥ २५६ ॥ ॥ २५७ ॥ ॥ २५८ ॥ ॥ २५९ ॥ ॥ २६० ॥ ॥ २६१ ॥ ॥ २६२ ॥ ॥ २६३ ॥ ॥ २६४ ॥ ॥ २६५ ॥ ॥ २६६ ॥ ॥ २६७ ॥ ॥ २६८ ॥ ॥ २६९ ॥ ॥ २७० ॥ ॥ २७१ ॥ ॥ २७२ ॥ ॥ २७३ ॥ ॥ २७४ ॥ ॥ २७५ ॥ ॥ २७६ ॥ ॥ २७७ ॥ ॥ २७८ ॥ ॥ २७९ ॥ ॥ २८० ॥ ॥ २८१ ॥ ॥ २८२ ॥ ॥ २८३ ॥ ॥ २८४ ॥ ॥ २८५ ॥ ॥ २८६ ॥ ॥ २८७ ॥ ॥ २८८ ॥ ॥ २८९ ॥ ॥ २९० ॥ ॥ २९१ ॥ ॥ २९२ ॥ ॥ २९३ ॥ ॥ २९४ ॥ ॥ २९५ ॥ ॥ २९६ ॥ ॥ २९७ ॥ ॥ २९८ ॥ ॥ २९९ ॥ ॥ ३०० ॥ ॥ ३०१ ॥ ॥ ३०२ ॥ ॥ ३०३ ॥ ॥ ३०४ ॥ ॥ ३०५ ॥ ॥ ३०६ ॥ ॥ ३०७ ॥ ॥ ३०८ ॥ ॥ ३०९ ॥ ॥ ३१० ॥ ॥ ३११ ॥ ॥ ३१२ ॥ ॥ ३१३ ॥ ॥ ३१४ ॥ ॥ ३१५ ॥ ॥ ३१६ ॥ ॥ ३१७ ॥ ॥ ३१८ ॥ ॥ ३१९ ॥ ॥ ३२० ॥ ॥ ३२१ ॥ ॥ ३२२ ॥ ॥ ३२३ ॥ ॥ ३२४ ॥ ॥ ३२५ ॥ ॥ ३२६ ॥ ॥ ३२७ ॥ ॥ ३२८ ॥ ॥ ३२९ ॥ ॥ ३३० ॥ ॥ ३३१ ॥ ॥ ३३२ ॥ ॥ ३३३ ॥ ॥ ३३४ ॥ ॥ ३३५ ॥ ॥ ३३६ ॥ ॥ ३३७ ॥ ॥ ३३८ ॥ ॥ ३३९ ॥ ॥ ३४० ॥ ॥ ३४१ ॥ ॥ ३४२ ॥ ॥ ३४३ ॥ ॥ ३४४ ॥ ॥ ३४५ ॥ ॥ ३४६ ॥ ॥ ३४७ ॥ ॥ ३४८ ॥ ॥ ३४९ ॥ ॥ ३५० ॥ ॥ ३५१ ॥ ॥ ३५२ ॥ ॥ ३५३ ॥ ॥ ३५४ ॥ ॥ ३५५ ॥ ॥ ३५६ ॥ ॥ ३५७ ॥ ॥ ३५८ ॥ ॥ ३५९ ॥ ॥ ३६० ॥ ॥ ३६१ ॥ ॥ ३६२ ॥ ॥ ३६३ ॥ ॥ ३६४ ॥ ॥ ३६५ ॥ ॥ ३६६ ॥ ॥ ३६७ ॥ ॥ ३६८ ॥ ॥ ३६९ ॥ ॥ ३७० ॥ ॥ ३७१ ॥ ॥ ३७२ ॥ ॥ ३७३ ॥ ॥ ३७४ ॥ ॥ ३७५ ॥ ॥ ३७६ ॥ ॥ ३७७ ॥ ॥ ३७८ ॥ ॥ ३७९ ॥ ॥ ३८० ॥ ॥ ३८१ ॥ ॥ ३८२ ॥ ॥ ३८३ ॥ ॥ ३८४ ॥ ॥ ३८५ ॥ ॥ ३८६ ॥ ॥ ३८७ ॥ ॥ ३८८ ॥ ॥ ३८९ ॥ ॥ ३९० ॥ ॥ ३९१ ॥ ॥ ३९२ ॥ ॥ ३९३ ॥ ॥ ३९४ ॥ ॥ ३९५ ॥ ॥ ३९६ ॥ ॥ ३९७ ॥ ॥ ३९८ ॥ ॥ ३९९ ॥ ॥ ४०० ॥ ॥ ४०१ ॥ ॥ ४०२ ॥ ॥ ४०३ ॥ ॥ ४०४ ॥ ॥ ४०५ ॥ ॥ ४०६ ॥ ॥ ४०७ ॥ ॥ ४०८ ॥ ॥ ४०९ ॥ ॥ ४१० ॥ ॥ ४११ ॥ ॥ ४१२ ॥ ॥ ४१३ ॥ ॥ ४१४ ॥ ॥ ४१५ ॥ ॥ ४१६ ॥ ॥ ४१७ ॥ ॥ ४१८ ॥ ॥ ४१९ ॥ ॥ ४२० ॥ ॥ ४२१ ॥ ॥ ४२२ ॥ ॥ ४२३ ॥ ॥ ४२४ ॥ ॥ ४२५ ॥ ॥ ४२६ ॥ ॥ ४२७ ॥ ॥ ४२८ ॥ ॥ ४२९ ॥ ॥ ४३० ॥ ॥ ४३१ ॥ ॥ ४३२ ॥ ॥ ४३३ ॥ ॥ ४३४ ॥ ॥ ४३५ ॥ ॥ ४३६ ॥ ॥ ४३७ ॥ ॥ ४३८ ॥ ॥ ४३९ ॥ ॥ ४४० ॥ ॥ ४४१ ॥ ॥ ४४२ ॥ ॥ ४४३ ॥ ॥ ४४४ ॥ ॥ ४४५ ॥ ॥ ४४६ ॥ ॥ ४४७ ॥ ॥ ४४८ ॥ ॥ ४४९ ॥ ॥ ४५० ॥ ॥ ४५१ ॥ ॥ ४५२ ॥ ॥ ४५३ ॥ ॥ ४५४ ॥ ॥ ४५५ ॥ ॥ ४५६ ॥ ॥ ४५७ ॥ ॥ ४५८ ॥ ॥ ४५९ ॥ ॥ ४६० ॥ ॥ ४६१ ॥ ॥ ४६२ ॥ ॥ ४६३ ॥ ॥ ४६४ ॥ ॥ ४६५ ॥ ॥ ४६६ ॥ ॥ ४६७ ॥ ॥ ४६८ ॥ ॥ ४६९ ॥ ॥ ४७० ॥ ॥ ४७१ ॥ ॥ ४७२ ॥ ॥ ४७३ ॥ ॥ ४७४ ॥ ॥ ४७५ ॥ ॥ ४७६ ॥ ॥ ४७७ ॥ ॥ ४७८ ॥ ॥ ४७९ ॥ ॥ ४८० ॥ ॥ ४८१ ॥ ॥ ४८२ ॥ ॥ ४८३ ॥ ॥ ४८४ ॥ ॥ ४८५ ॥ ॥ ४८६ ॥ ॥ ४८७ ॥ ॥ ४८८ ॥ ॥ ४८९ ॥ ॥ ४९० ॥ ॥ ४९१ ॥ ॥ ४९२ ॥ ॥ ४९३ ॥ ॥ ४९४ ॥ ॥ ४९५ ॥ ॥ ४९६ ॥ ॥ ४९७ ॥ ॥ ४९८ ॥ ॥ ४९९ ॥ ॥ ५०० ॥ ॥ ५०१ ॥ ॥ ५०२ ॥ ॥ ५०३ ॥ ॥ ५०४ ॥ ॥ ५०५ ॥ ॥ ५०६ ॥ ॥ ५०७ ॥ ॥ ५०८ ॥ ॥ ५०९ ॥ ॥ ५१० ॥ ॥ ५११ ॥ ॥ ५१२ ॥ ॥ ५१३ ॥ ॥ ५१४ ॥ ॥ ५१५ ॥ ॥ ५१६ ॥ ॥ ५१७ ॥ ॥ ५१८ ॥ ॥ ५१९ ॥ ॥ ५२० ॥ ॥ ५२१ ॥ ॥ ५२२ ॥ ॥ ५२३ ॥ ॥ ५२४ ॥ ॥ ५२५ ॥ ॥ ५२६ ॥ ॥ ५२७ ॥ ॥ ५२८ ॥ ॥ ५२९ ॥ ॥ ५३० ॥ ॥ ५३१ ॥ ॥ ५३२ ॥ ॥ ५३३ ॥ ॥ ५३४ ॥ ॥ ५३५ ॥ ॥ ५३६ ॥ ॥ ५३७ ॥ ॥ ५३८ ॥ ॥ ५३९ ॥ ॥ ५४० ॥ ॥ ५४१ ॥ ॥ ५४२ ॥ ॥ ५४३ ॥ ॥ ५४४ ॥ ॥ ५४५ ॥ ॥ ५४६ ॥ ॥ ५४७ ॥ ॥ ५४८ ॥ ॥ ५४९ ॥ ॥ ५५० ॥ ॥ ५५१ ॥ ॥ ५५२ ॥ ॥ ५५३ ॥ ॥ ५५४ ॥ ॥ ५५५ ॥ ॥ ५५६ ॥ ॥ ५५७ ॥ ॥ ५५८ ॥ ॥ ५५९ ॥ ॥ ५६० ॥ ॥ ५६१ ॥ ॥ ५६२ ॥ ॥ ५६३ ॥ ॥ ५६४ ॥ ॥ ५६५ ॥ ॥ ५६६ ॥ ॥ ५६७ ॥ ॥ ५६८ ॥ ॥ ५६९ ॥ ॥ ५७० ॥ ॥ ५७१ ॥ ॥ ५७२ ॥ ॥ ५७३ ॥ ॥ ५७४ ॥ ॥ ५७५ ॥ ॥ ५७६ ॥ ॥ ५७७ ॥ ॥ ५७८ ॥ ॥ ५७९ ॥ ॥ ५८० ॥ ॥ ५८१ ॥ ॥ ५८२ ॥ ॥ ५८३ ॥ ॥ ५८४ ॥ ॥ ५८५ ॥ ॥ ५८६ ॥ ॥ ५८७ ॥ ॥ ५८८ ॥ ॥ ५८९ ॥ ॥ ५९० ॥ ॥ ५९१ ॥ ॥ ५९२ ॥ ॥ ५९३ ॥ ॥ ५९४ ॥ ॥ ५९५ ॥ ॥ ५९६ ॥ ॥ ५९७ ॥ ॥ ५९८ ॥ ॥ ५९९ ॥ ॥ ६०० ॥ ॥ ६०१ ॥ ॥ ६०२ ॥ ॥ ६०३ ॥ ॥ ६०४ ॥ ॥ ६०५ ॥ ॥ ६०६ ॥ ॥ ६०७ ॥ ॥ ६०८ ॥ ॥ ६०९ ॥ ॥ ६१० ॥ ॥ ६११ ॥ ॥ ६१२ ॥ ॥ ६१३ ॥ ॥ ६१४ ॥ ॥ ६१५ ॥ ॥ ६१६ ॥ ॥ ६१७ ॥ ॥ ६१८ ॥ ॥ ६१९ ॥ ॥ ६२० ॥ ॥ ६२१ ॥ ॥ ६२२ ॥ ॥ ६२३ ॥ ॥ ६२४ ॥ ॥ ६२५ ॥ ॥ ६२६ ॥ ॥ ६२७ ॥ ॥ ६२८ ॥ ॥ ६२९ ॥ ॥ ६३० ॥ ॥ ६३१ ॥ ॥ ६३२ ॥ ॥ ६३३ ॥ ॥ ६३४ ॥ ॥ ६३५ ॥ ॥ ६३६ ॥ ॥ ६३७ ॥ ॥ ६३८ ॥ ॥ ६३९ ॥ ॥ ६४० ॥ ॥ ६४१ ॥ ॥ ६४२ ॥ ॥ ६४३ ॥ ॥ ६४४ ॥ ॥ ६४५ ॥ ॥ ६४६ ॥ ॥ ६४७ ॥ ॥ ६४८ ॥ ॥ ६४९ ॥ ॥ ६५० ॥ ॥ ६५१ ॥ ॥ ६५२ ॥ ॥ ६५३ ॥ ॥ ६५४ ॥ ॥ ६५५ ॥ ॥ ६५६ ॥ ॥ ६५७ ॥ ॥ ६५८ ॥ ॥ ६५९ ॥ ॥ ६६० ॥ ॥ ६६१ ॥ ॥ ६६२ ॥ ॥ ६६३ ॥ ॥ ६६४ ॥ ॥ ६६५ ॥ ॥ ६६६ ॥ ॥ ६६७ ॥ ॥ ६६८ ॥ ॥ ६६९ ॥ ॥ ६७० ॥ ॥ ६७१ ॥ ॥ ६७२ ॥ ॥ ६७३ ॥ ॥ ६७४ ॥ ॥ ६७५ ॥ ॥ ६७६ ॥ ॥ ६७७ ॥ ॥ ६७८ ॥ ॥ ६७९ ॥ ॥ ६८० ॥ ॥ ६८१ ॥ ॥ ६८२ ॥ ॥ ६८३ ॥ ॥ ६८४ ॥ ॥ ६८५ ॥ ॥ ६८६ ॥ ॥ ६८७ ॥ ॥ ६८८ ॥ ॥ ६८९ ॥ ॥ ६९० ॥ ॥ ६९१ ॥ ॥ ६९२ ॥ ॥ ६९३ ॥ ॥ ६९४ ॥ ॥ ६९५ ॥ ॥ ६९६ ॥ ॥ ६९७ ॥ ॥ ६९८ ॥ ॥ ६९९ ॥ ॥ ७०० ॥ ॥ ७०१ ॥ ॥ ७०२ ॥ ॥ ७०३ ॥ ॥ ७०४ ॥ ॥ ७०५ ॥ ॥ ७०६ ॥ ॥ ७०७ ॥ ॥ ७०८ ॥ ॥ ७०९ ॥ ॥ ७१० ॥ ॥ ७११ ॥ ॥ ७१२ ॥ ॥ ७१३ ॥ ॥ ७१४ ॥ ॥ ७१५ ॥ ॥ ७१६ ॥ ॥ ७१७ ॥ ॥ ७१८ ॥ ॥ ७१९ ॥ ॥ ७२० ॥ ॥ ७२१ ॥ ॥ ७२२ ॥ ॥ ७२३ ॥ ॥ ७२४ ॥ ॥ ७२५ ॥ ॥ ७२६ ॥ ॥ ७२७ ॥ ॥ ७२८ ॥ ॥ ७२९ ॥ ॥ ७३० ॥ ॥ ७३१ ॥ ॥ ७३२ ॥ ॥ ७३३ ॥ ॥ ७३४ ॥ ॥ ७३५ ॥ ॥ ७३६ ॥ ॥ ७३७ ॥ ॥ ७३८ ॥ ॥ ७३९ ॥ ॥ ७४० ॥ ॥ ७४१ ॥ ॥ ७४२ ॥ ॥ ७४३ ॥ ॥ ७४४ ॥ ॥ ७४५ ॥ ॥ ७४६ ॥ ॥ ७४७ ॥ ॥ ७४८ ॥ ॥ ७४९ ॥ ॥ ७५० ॥ ॥ ७५१ ॥ ॥ ७५२ ॥ ॥ ७५३ ॥ ॥ ७५४ ॥ ॥ ७५५ ॥ ॥ ७५६ ॥ ॥ ७५७ ॥ ॥ ७५८ ॥ ॥ ७५९ ॥ ॥ ७६० ॥ ॥ ७६१ ॥ ॥ ७६२ ॥ ॥ ७६३ ॥ ॥ ७६४ ॥ ॥ ७६५ ॥ ॥ ७६६ ॥ ॥ ७६७ ॥ ॥ ७६८ ॥ ॥ ७६९ ॥ ॥ ७७० ॥ ॥ ७७१ ॥ ॥ ७७२ ॥ ॥ ७७३ ॥ ॥ ७७४ ॥ ॥ ७७५ ॥ ॥ ७७६ ॥ ॥ ७७७ ॥ ॥ ७७८ ॥ ॥ ७७९ ॥ ॥ ७८० ॥ ॥ ७८१ ॥ ॥ ७८२ ॥ ॥ ७८३ ॥ ॥ ७८४ ॥ ॥ ७८५ ॥ ॥ ७८६ ॥ ॥ ७८७ ॥ ॥ ७८८ ॥ ॥ ७८९ ॥ ॥ ७९० ॥ ॥ ७९१ ॥ ॥ ७९२ ॥ ॥ ७९३ ॥ ॥ ७९४ ॥ ॥ ७९५ ॥ ॥ ७९६ ॥ ॥ ७९७ ॥ ॥ ७९८ ॥ ॥ ७९९ ॥ ॥ ८०० ॥ ॥ ८०१ ॥ ॥ ८०२ ॥ ॥ ८०३ ॥ ॥ ८०४ ॥ ॥ ८०५ ॥ ॥ ८०६ ॥ ॥ ८०७ ॥ ॥ ८०८ ॥ ॥ ८०९ ॥ ॥ ८१० ॥ ॥ ८११ ॥ ॥ ८१२ ॥ ॥ ८१३ ॥ ॥ ८१४ ॥ ॥ ८१५ ॥ ॥ ८१६ ॥ ॥ ८१७ ॥ ॥ ८१८ ॥ ॥ ८१९ ॥ ॥ ८२० ॥ ॥ ८२१ ॥ ॥ ८२२ ॥ ॥ ८२३ ॥ ॥ ८२४ ॥ ॥ ८२५ ॥ ॥ ८२६ ॥ ॥ ८२७ ॥ ॥ ८२८ ॥ ॥ ८२९ ॥ ॥ ८